(b) what action Government propose to take on each of them?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. J. KURIEN): (a) 33 applications received from the State of Kerala for grant of Letters of Intent for setting up of Industrial units are pending for clearance as on 30th June, 1991.

(b) The applications are at various stages of processing and decision regarding approvals will be taken in consultation with the concerned Administrative Ministries and technical authorities.

Slackness in industrial growth

384. SHRI VITHALBHAI M. PATEL: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that industrial growth has slackened in the last one year;

(b) what is the expected industrial growth of last one year; and

(c) what was the target of industrial growth in last financial year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. J. KURIEN): (a) to (c) According to the Index of Industrial Production compiled by CSO Central Statistical Organisation the overall rate of industrial growth was 8.4 per cent during 1990-91 which was almost at the same level as that achieved in the last financial year.

The Eighth Five Year Plan document is not yet finalised and as such, the yearly targeted rate of industrial growth is not available.

खाद्य तेलों के मूल्यों में वृद्धि

385. **डा. रत्नाकर पाण्डेय :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या खाद्य तेलों के मूल्यों में हाल ही में वृद्धि हुई है ; यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ख) पिछले पंद्रह महीनों के दौरान ऐसी वृद्धि का महीना-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) सरकार बढ़ते हुए मूल्यों को रोकने के लिए क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

नागरिक पूर्ति और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री (श्री कमालुदीन अहमद) : (क) और (ख) अप्रैल, 1990 से जून, 1991 तक (नवीनतम उपलब्ध) पिछले 15 महीनो के दौरान खाद्य तेलों के थोक मूल्य सूचकांक में आया माह-वार-प्रतिशत उतार-चढाव दिखाने वाला एक विवरण संलग्न है। (**देखिए**—परिशिष्ट 159, अनुपत्र 15) खाद्य तेलो के मूल्यो में वृद्धि के कारणों में खाद्य तेलों की मांग आपूर्ति मे अंतर होना, मुद्रा-पूर्ति मे वृद्धि होना तथा ढुलाई प्रभार मे बढोतरी होना शामिल है ।

(ग) सरकार ने खाद्य तेलो के मूल्यो में वृद्धि के रूख पर नियंत्रण रखने के लिए अनेक उपाय किए है । इनमें निम्नलिखित उपाय शामिल हैं :

(1) वनस्पति के विनिर्माण में विलायक (साल्वेंट) निष्कर्षित गैर-परम्परागत तेलो के प्रयोग करने पर उत्पाद-शुल्क की छूट देना ।

(2) खाद्य तेलो, जिनमें वनस्पति शामिल है, के विक्रेताओं/संसाधकों तथा विनिर्माताओं द्वारा रखे जाने वाले खाद्य तिलहनों तथा तेलों को स्टाक-सीमाओं में छूट दना/कमी करना ।

(3) राज्य सरकारों से, खाद्य तेलों और तिलहनों के जमाखोरों तथा कालाबाजारियो के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है ।

(4) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नकद ऋण सीमाओं पर रोक लगाना ।

सरकार ने देश में आवश्यक वस्तुओं जिनमें खाद्य तेल शामिल हैं, मूल्यों और आपूर्ति की परिवीक्षा करने के लिए हाल ही में एक मूल्य संबंधी उच्च प्राधिकार प्राप्त समिति गठित की है । यह आशा की जाती है कि इन सभी उपायों से खाद्य तेलों के मूल्यों को संयत करने में मदद मिलेगी ।

टेलीविजन समाचार वाचकों के कार्य निष्पादन की संवीक्षा और मूल्यांकन करने हेतु समितियां

386. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टेलीविजन समाचार वाचकों का चयन करने तथा उनका एक पैनल तैयार करने और उनके कार्य का मूल्यांकन करने के लिए कुछ समय पूर्व विशेषज्ञ समितियां गठित की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो ये समितियां कब गठित की गई और उनके विचारार्थ विषय क्या-क्या थे तथा समिति के सदस्यों के नाम क्या-क्या थे ;

(ग) इन समितियों द्वारा की गई सिफारिशों का ब्यौरा क्या है और उन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है;

(घ) क्या यह सच है कि दूरदर्शन समाचार वाचकों की नियुक्ति दैनिक ठेके के आधार पर की जाती है ; और

(ङ) क्या यह सच है कि समिति से परामर्श किए बिना अनेक टेलीविजन समाचार वाचकों की सेवायें समाप्त कर दी गई हैं ; यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (कु. गिरिजा व्यास) : (क) जी, हां ।

(ख) अप्रेल, 1991 में दूरदर्शन द्वारा दो समितियां गठित की गई थीं,— एक हिन्दी के लिए और दूसरी अंग्रेजी के लिए । इन समितियो के गठन का प्रयोजन मौजूदा समाचार वाचकों के कार्य का मूल्यांकन करना था ताकि यदि कोई त्रुटियां पाई जाए तो उन्हें बताया जा सके जिससे समाचारों के प्रस्तुतीकरण में सामान्य रूप से सुधार हो सके । इन दो समितियों के निम्नलिखित सदस्य थे :—

(1) हिन्दी समिति

(क) महानिदेशक, दूरदर्शन

(ख) अपर महानिदेशक, (समाचार) दूरदर्शन,

(ग) श्री अक्षय कुमार जैन

(घ) श्री कमलेश्वर

(ङ) श्री राधा नाथ चतुर्वेदी

(2) अंग्रेजी समिति

(क) महानिदेशक, दूरदर्शन

(ख) अपर महानिदेशक (समाचार) दूरदर्शन

(ग) सुश्री अमिता मलिक

(घ) सुश्री जय माइकल

(ङ) श्री सुधीर दर

(ग) इन दोनों समितियों ने प्रत्येक समाचार वाचक उच्चारण/वाक/वाक शैली, स्वर शैली तथा निरूपण, गति तथा स्पष्टता, संवाद/संतुलन, व्यक्तित्व तथा स्वर की गुणवत्ता आदि के बारे में टिप्पणियां की हैं ।

समाचार वाचकों के प्रस्तुतीकरण को सुधारने के लिए समुचित प्रशिक्षण की परिकल्पना की गई है ।

(घ) राष्ट्रीय समाचार बुलेटिनों के कुछेक मौजूदा समाचार वाचक दूरदर्शन के स्थायी कर्मचारी हैं । अन्य सभी को दैनिक अनुबंध के आधार पर बुक किया जाता है ।